

एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रपिर्ट 2024

प्रलिस के लयि:

[एशियाई वकिस बैंक](#), [भारत का सकल घरेलू उत्पाद](#), [पूंजीगत व्यय](#), [चालू खाता घाटा](#), [कषेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी](#), [एशियाई अवसंरचना नविश बैंक](#), [अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा](#), [भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारा](#), [अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन](#) ।

मेन्स के लयि:

एशिया के वकिस को संचालित करने वाले कषेत्र, एशिया के वकिस में भारत का योगदान ।

[स्रोत: ए.डी.बी](#)

चर्चा में क्यों?

[एशियाई वकिस बैंक \(ADB\)](#) ने हाल ही में अप्रैल, 2024 में एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रपिर्ट जारी की तथा इस आशावादी दृष्टिकोण में योगदान देने वाले वभिन्न कारकों का हवाला देते हुए वतितीय वर्ष 2024 और 2025 के लयि [भारत के सकल घरेलू उत्पाद \(GDP\) के वकिस](#) पूरवानुमान को संशोधित कयि ।

एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रपिर्ट, 2024 की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- **एशिया का वकिस आउटलुक:**
 - **परचिय:** अनश्चिति बाह्य संभावनाओं के बावजूद, एशिया में आने वाले वर्षों में वकिस प्रकरयि को लचीला बनाए रखने का अनुमान है ।
 - अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में **ब्याज दर में बढ़ोतरी** के चक्र का समापन और वशिष रूप से सेमीकंडक्टर मांग में सुधार से प्रेरति माल नरियात में नरितर सुधार जैसे कारक, कषेत्र के व्यापक सकारात्मक दृष्टिकोण में योगदान करते हैं ।
 - **GDP वृद्धि पूरवानुमान:** वर्ष 2024 के लयि एशिया की GDP वृद्धि का पूरवानुमान 4.9% है, वर्ष 2025 के लयि भी इसी तरह का अनुमान रखा गया है ।
 - यह स्थिर वकिस पथ बाहरी चुनौतियों से नपिटने और आर्थिक गतिको बनाए रखने की कषेत्र की कषमता को दर्शाता है ।
 - **मुद्रासफीती के रुझान:** एशिया में मुद्रासफीती कम होने की उम्मीद है, वर्ष **2024 के लयि 3.2%** और वर्ष 2025 में 3.0% की कमी का अनुमान है ।
 - यह प्रवृत्ति अपेक्षाकृत स्थिर मूल्य नरिधारण वातावरण का संकेत देती है, जो उपभोक्ता वशिवास और खर्च का समर्थन कर सकती है ।
- **भारत की वृद्धि का पूरवानुमान:**
 - **वृद्धि का पूरवानुमान:** भारत की नविश-संचालित वृद्धिको देश को एशिया के भीतर एक प्रमुख आर्थिक इंजन के रूप में स्थापति करने में एक महत्त्वपूर्ण कारक के रूप में उजागर कयि गया है ।
 - ADB का अनुमान है कि भारत की जीडीपी वृद्धिवति वरष 2024 में 7% और वति वरष 2025 में 7.2% तक पहुँच जायगी, जो वति वरष 2024 के लयि 6.7% के पछिले पूरवानुमान से अधिक है ।
 - **वति वरष 2024 में वकिस को बढ़ावा देने वाले कारक:**
 - केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा **बुनयादी ढाँचे के वकिस पर उच्च पूंजी व्यय** वकिस का एक प्रमुख चालक है ।
 - स्थिर ब्याज दरों और उपभोक्ताओं के वशिवास में वृद्धि के कारण नजी कॉर्पोरेट नविश बढ़ने का अनुमान है ।
 - वतितीय, रयिल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं सहति सेवा कषेत्र का प्रदर्शन आर्थिक वसितार में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है ।
 - **वति वरष 2025 में वकिस में वृद्धि:** वति वरष 2025 में बेहतर **माल नरियात**, **बढ़ी हुई वनिरिमाण उत्पादकता** और **उच्च कृषि उत्पादन के कारण वकिस की गति बढ़ने की उम्मीद है** ।
 - यह पूरवानुमान मज़बूत घरेलू मांग और सहायक नीतियों से उत्साहति भारत की अर्थव्यवस्था के लयि सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है ।
 - जोखमि और चुनौतियों: सकारात्मक पूरवानुमान के बावजूद, **कच्चे तेल के बाजारों** में आपूर्ति में व्यवधान और कृषि पर मौसम संबंधी प्रभाव जैसे अप्रत्याशति वैश्विक संकट प्रमुख जोखमि बना हुआ है ।

- घरेलू मांग को पूरा करने के लिये बढ़ते आयात के कारण **चालू खाता घाटा (CAD)** मामूली रूप से बढ़ने का अनुमान है।
- हालाँकि RBI के हालिया आँकड़ों के अनुसार, चालू खाता घाटा (CAD) तमिही 2 FY24 में सकल घरेलू उत्पाद के 1.3% से क्रमिक रूप से घटकर तमिही 3 FY24 में 1.2% हो गया।

एशियाई विकास बैंक क्या है?

- **परिचय:** ADB एक क्षेत्रीय विकास बैंक है जिसकी स्थापना वर्ष 1966 में एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
 - ADB सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये **ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान एवं इक्विटी निवेश** प्रदान करके अपने सदस्यों तथा भागीदारों की सहायता करता है।
- **मुख्यालय:** मनीला, फिलीपींस
- **सदस्य:** वर्तमान में इसके 68 सदस्य हैं जिनमें से 49 एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र के भीतर और 19 अन्य क्षेत्रों से हैं।
- **ADB और भारत:** भारत ADB का **संस्थापक सदस्य और बैंक का चौथा सबसे बड़ा शेयरधारक** है।
 - **ADB की रणनीति 2030** और **देश की साझेदारी रणनीति, 2023-2027** के अनुरूप मज़बूत, जलवायु लचीले एवं समावेशी विकास के लिये भारत की प्राथमिकताओं का समर्थन करता है।

एशिया के विकास को गति देने वाले क्षेत्र कौन-से हैं?

- **आर्थिक महाशक्ति:** एशिया दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से कई का घर है। **चीन, जापान और भारत** विश्व की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में हैं।
 - आर्थिक विकास से प्रेरित होकर, पूरे एशिया में एक बढ़ता हुआ मध्यम वर्ग उपभोक्ताओं का एक विशाल समूह तैयार कर रहा है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ रही है।
 - **उदाहरण:** वयितनाम को 2030 तक अपने मध्यम वर्ग में 36 मिलियन लोगों को जोड़ने की उम्मीद है।
- **मुख्य वनिरिमाण केंद्र:** दशकों से एशिया एक प्रमुख वनिरिमाण केंद्र रहा है। **इलेक्ट्रॉनिक्स में चीन के प्रभुत्व से लेकर वयितनाम के फुटवयिर उत्पादन में वृद्धातिक, एशियाई देशों को कुशल शर्म बलों और कुशल बुनियादी ढाँचे से लाभ होता है, जो उन्हें लागत-प्रतस्पर्धी एवं वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के लिये महत्त्वपूर्ण बनाता है।**
- **बढ़ता व्यापार एवं निवेश:** एशियाई राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सक्रिय रूप से शामिल हैं। **क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (Regional Comprehensive Economic Partnership - RCEP)** जैसे क्षेत्रीय व्यापार समझौते महत्त्वपूर्ण व्यापार ब्लॉक बनाते हैं, जिससे अंतर-एशियाई व्यापार और वदेशी निवेश को बढ़ावा मलित है।
- **उभरते वित्तीय केंद्र:** **टोक्यो, हॉन्गकॉन्ग और सगिापुर** जैसे एशियाई शहर प्रमुख वित्तीय केंद्रों के रूप में उभरे हैं, जो निवेश आकर्षित कर रहे हैं, उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहे हैं तथा सीमा पार पूंजी प्रवाह को सुवधाजनक बना रहे हैं।
 - **एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (Asian Infrastructure Investment Bank - AIIB)** जैसे एशियाई वित्तीय संस्थानों का बढ़ता प्रभाव वैश्विक आर्थिक नीतियों को आकार देने में क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

एशिया के विकास में भारत का क्या योगदान है?

- **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी:** भारत अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC) और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारा जैसी पहलों के माध्यम से एशिया में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में एक प्रमुख अभिकर्ता रहा है।
 - इन परियोजनाओं का उद्देश्य एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच परिवहन नेटवर्क, व्यापार मार्गों और आर्थिक सहयोग में सुधार करना है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा:** नवीकरणीय ऊर्जा पहल को बढ़ावा देते हुए एशिया में सतत विकास में भारत की सक्रिय भूमिका रही है।
 - भारत और फ्रांस द्वारा शुरू किये गए **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** का उद्देश्य विश्व स्तर पर, विशेष रूप से एशिया एवं अफ्रीका जैसे देशों में सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देना है ताकि ऊर्जा सुरक्षा व जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान कया जा सके।
- **क्षमता निर्माण:** भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC) कार्यक्रम जैसी पहलों के माध्यम से भारत ने एशिया में क्षमता निर्माण के प्रयासों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।
 - यह एशियाई देशों के पेशेवरों और छात्रों को प्रशिक्षण, शक्ति एवं कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है, साथ ही, मानव संसाधन विकास व सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।
- **एशिया को UPI के साथ एकीकृत करना:** डिजिटल लेनदेन में प्रदान की जाने वाली सुवधाओं और दक्षता के कारण भारत की **UPI (यूनफाइड पेमेंट्स इंटरफेस)** सेवाएँ एशिया में तेज़ी से लोकप्रिय हो रही हैं।
 - **श्रीलंका और मॉरीशस** में UPI सेवाएँ पहले ही लॉन्च की जा चुकी हैं।

दृष्टिभेन्स प्रश्न:

प्रश्न. एशिया-प्रशांत देशों विशेषकर भारत में आर्थिक वृद्धि एवं विकास को बढ़ावा देने में एशियाई विकास बैंक (ADB) की भूमिका पर चर्चा कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2020)

1. पछिले दशक में भरत-श्रीलंका व्यापार के मूल्य में सतत वृद्धि हुई है ।
2. भरत और बंगलादेश के बीच होने वाले व्यापार में "कपड़े और कपड़े से बनी चीजों" का व्यापार प्रमुख है ।
3. पछिले पाँच वर्षों में, दक्षिण एशिया में भरत के व्यापार का सबसे बड़ा भागीदार नेपाल रहा है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. नमिनलखिति दक्षिण एशियाई देशों में से कसि देश का जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक है? (2009)

- (a) भरत
- (b) नेपाल
- (c) पाकस्तान
- (d) श्रीलंका

उत्तर: (a)

प्रश्न. 'रीजनल कॉम्प्रेहेंसिवि इकॉनॉमिक पार्टनरशिप (Regional Comprehensive Economic Partnership)' पद प्रायः समाचारों में देशों के एक समूह के मामलों के संदर्भ में आता है । देशों के उस समूह को क्या कहा जाता है? (2016)

- (a) G20
- (b) ASEAN
- (c) SCO
- (d) SAARC

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. शीतयुद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय परदृश्य के संदर्भ में, भरत की पूर्वोमुखी नीतिके आर्थिक और सामरिक आयामों का मूल्यांकन कीजयि । (2016)